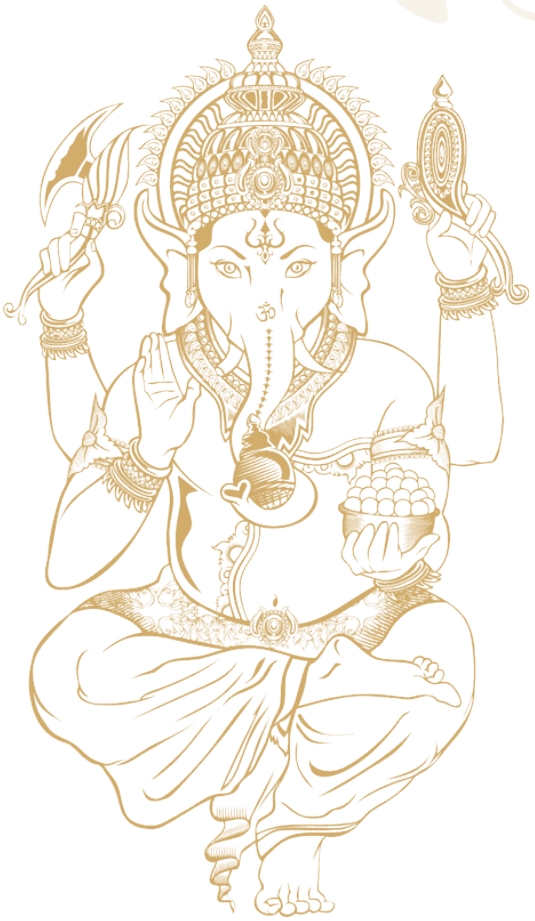

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121523902

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
29/06/1999	जन्म तिथि	31/03/1999
मंगलवार	दिन	बुधवार
घंटे 05:30:00	जन्म समय	14:20:00 घंटे
घटी 00:14:11	जन्म समय(घटी)	20:24:20 घटी
India	देश	India
Aligarh	स्थान	Hathras
27:54:00 उत्तर	अक्षांश	27:36:00 उत्तर
78:04:00 पूर्व	रेखांश	78:02:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:44	स्थानिक संस्कार	-00:17:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:24:19	सूर्योदय	06:10:31
19:17:41	सूर्यास्त	18:34:23
23:50:48	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:36

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 18वर्ष 10मा 7दि	13:21:27	मिथु	लग्न	कर्क	21:18:16	सूर्य 0वर्ष 1मा 7दि
चन्द्र	12:59:41	मिथु	सूर्य	मीन	16:21:14	राहु
06/05/2024	14:05:50	धनु	चंद्र	कन्या	09:46:02	08/05/2016
06/05/2034	04:16:12	तुला	मंगल व	तुला	17:19:52	08/05/2034
चन्द्र 06/03/2025	08:32:20	कर्क	बुध व	कुंभ	27:13:16	राहु 19/01/2019
मंगल 05/10/2025	06:14:57	मेष	गुरु	मीन	17:00:58	गुरु 13/06/2021
राहु 06/04/2027	27:00:48	कर्क	शुक्र	मेष	21:43:36	शनि 19/04/2024
गुरु 05/08/2028	20:11:18	मेष	शनि	मेष	09:30:24	बुध 07/11/2026
शनि 06/03/2030	19:27:18	कर्क व	राहु व	कर्क	27:21:49	केतु 25/11/2027
बुध 06/08/2031	19:27:18	मक व	केतु व	मक	27:21:49	शुक्र 25/11/2030
केतु 06/03/2032	22:23:27	मक व	हर्ष	मक	21:53:22	सूर्य 20/10/2031
शुक्र 05/11/2033	09:50:14	मक व	नेप	मक	10:09:40	चन्द्र 20/04/2033
सूर्य 06/05/2034	14:32:12	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	16:34:04	मंगल 08/05/2034

लग्न-चलित

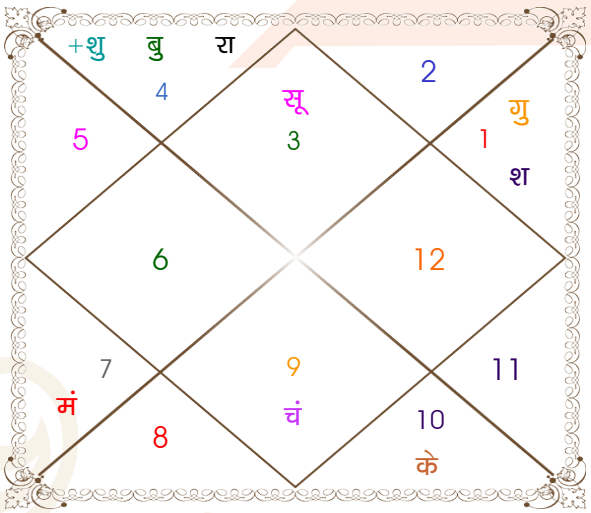

लग्न-चलित

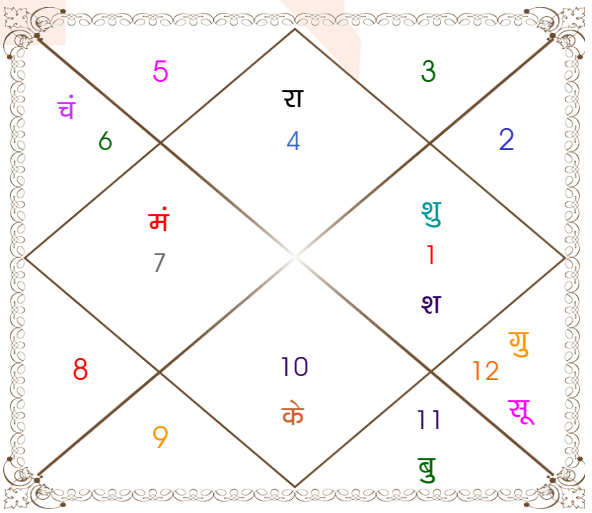

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.50		

Mr. का वर्ग मूषक है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।